

कायदे मिल्लत मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी साहब : एक परिचय

आप का जन्म 4 जनवरी 1953 ई को जौहरी मुहल्ला लखनऊ में एक इल्मी साहित्यिक और कार्यशील परिवार यानी खानदाने इज्तिहाद में हुआ। आपके पिता श्री सफ़वतुल उलमा मौलाना सैयद कल्बे आबिद नकवी ताबासराह अपने समय के बड़े आलिम घर्माचार्य प्रोफ़ेसर और समाजिक नेता थे जो डीन फ़ैकल्टी आफ़ थियालॉजी अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अलीगढ़ रहे। आप के दादा ज़ाकिरे शामे गरीबों उम्दतुल उलमा आयतुल्लाह सैयद कल्बे हुसैन उर्फ़ कब्बन साहब 'अख़्तर' सुपुत्र कुदवतुल उलमा आयतुल्लाह सैयद आका हसन नकवी 'अकमल' जायसी सुपुत्र आयतुल्लाह सैयद कल्बे हुसैन नकवी सुपुत्र रईसुल उलमा मौलाना मुहम्मद वली हुसैन नकवी थे जो मुल्ला इस्मतुल्लाह सदरुस्सुदूर (प्रमुख घर्माचार्य का पद मुगलकालीन) की सन्तान थे। आपके नाना बाकिरुल उलूम मौलाना सैयद बाकिर रिज़वी सुपुत्र आयतुल्लाह सैयद अबुल हसन थे। आप 4 क्रमों से खानदाने इज्तिहाद के वंशज हैं। आपने इब्तेदाई तालीम घर पर अपने पिताश्री और मौलाना मुहसिन नवाब साहब से पायी। फिर सुल्तानुल मदारिस में 1968 ई० में मौलवी में दाखिला लिया और वहाँ से मौलवी आलिम फ़ाज़िल सनदुल अफ़ाज़िल और सदरुल अफ़ाज़िल (1975) की डिग्री ली। लखनऊ विश्वविद्यालय से फ़ाज़िले तफ़सीर (1971) बी० ए० (1973) और एम० ए० (अग्रेजी) (1975) में किया। मुस्लिम यूनिवर्सिटी अलीगढ़ से बी० टी० एच० और एम० ए० (फ़ार्सी) (1978) और एम फिल (1983) में किया।

सुल्तानुलमदारिस में मौलाना सैयद अली हुसैन साहब, हकीम मौलाना गुलाम रज़ा साहब, मौलाना अल्ताफ़ हैदर साहब, मौलाना सैयद मुहम्मद महदी साहब और सैयद मुहम्मद सालेह साहब और मौलाना सैयद अली रिज़वी साहब जैसे महान उस्तादों से शिक्षा ली।

13 दिसम्बर 1986 ई को आपके वालिद का एक दुर्घटना में इन्तेकाल होगया। इसके बाद 1987 में कुम ईरान विश्व प्रसिद्ध हौज़ए इल्मिया (ज्ञानाश्रम) गये और आकाई अली महदी, आकाई एतेमादी, आकाई पायानी, आकाई विजदानी फख़, आकाई नासिर मकारिम शीराज़ी, आकाई जाफ़र सुब्हानी जैसे सर्वश्रेष्ठ धर्माचार्यों के सेमिनरी लेक्चर का श्रेय शरफ़ प्राप्त किया।

2001 ई० में भारत वापस हो धर्म सेवा लगे रहे। वालिद के इन्तेकाल के बाद ही लखनऊ के इमामे जुमा नियुक्त हुए इसके बाद आप

- 1 नूरे हिदायत फाउन्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष हैं।
- 2 मजलिसे उलमा-ए-हिन्द सिक्रेटरी हैं।
- 3 अन्जुमेन पास्दाराने हुसैनी के संस्थापक और संरक्षक हैं।
- 4 आल इन्डिया अली कांग्रेस के संरक्षक हैं।
- 5 आल इन्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य हैं।
- 6 मदरसतुल वाएजीन लखनऊ के चांसलर हैं।
- 7 मजलिसे उलमाए हिन्द के जनरल सेक्रेटरी हैं।
- 8 इसके अलावा सैकड़ों इल्मी शोध प्रेणनात्मक संस्थाओं के प्रमुख संरक्षक हैं।

अपने वालिद की तरह आप लखनऊ के अज़ा के जुलूसों को खुलवाने के लिए सतत प्रयासरत रहे। इसके लिए आपने 1997 में संगठित आन्दोलन चलाया आपको जेल भी भेजा गया। आपके बलिदानों और नेत्रित्य का असर था कि जुलूस खुले। आप अपनी सतत धर्मिक और राष्ट्रीय सेवाओं से सुविख्यात हैं। साथ ही आप मानवता के सबल संग्रामी, मुस्लिम एकता के ध्वज धारी और राष्ट्रीय एकता के प्रमुख पक्षधर के रूप में अपनी पहचान स्थापित किये हुए हैं।

पुस्तकें

1 ईरान का इन्किलाबे इस्लामी, फितनए वहाबिअत और शीईयत (1986) प्रकाशक; मकतबे ईमान जौहरी मुहल्ला लखनऊ मनज़ूर नोमानी ने अपनी किताब इन्किलाबे इस्लामी ईरानी और शीईयत में शिया धर्म विश्वासों पर निशाना साधकर यह साबित करने की कोशिश की शिया काफ़िर हैं और ईरान का

इन्किलाब इस्लामी नहीं अ इस्लामी है । इसके जवाब में आपने साबित किया कि शिया विश्वास ही अस्ल में इस्लामी विश्वास है और जो जो शियों के आकिदे है वे सारे इस्लामी फिरकों में मिलते हैं । इस बारे में आपने अहले सुन्नत की किताबों से तर्क किया। तक़ैया, कुरआन में फेरबदल, मुतअ, बदा जैसे प्रश्नों की शोध चर्चा की ।

2 इस्लाम दीने हक (मजलिसों का संकलन) (1999) प्रकाशक अहबाब पब्लिशर्स लखनऊ इमामे जमाना के

सम्बन्ध में इमाम बाड़ा गुफरानमाब के अशरे में मजलिसों का संकलन है ।

3 मुख्तसर तारिखे उसूले फिक्ह (इस्लाम धर्मविधिशास्त्र के सिद्धान्तों का संक्षिप्त इतिहास) अप्रकाशित किया

इसमें उसूले फिक्ह का इतिहास है साथ में पारिभाषिक शब्दों के मायने बताये गये हैं ।

4 तारीखे फिक्हे शिया (शिया धर्मविधि शास्त्र का इतिहास) अप्रकाशित

5 कायदे मिल्लत के लेख (हिन्दी)

6 इस्लाम और मानव अधिकार (हिन्दी): उर्दू दैनिक राष्ट्रीय सहारा में किस्तों में छपे लेख का संकलन

7 इस्लाम में नारी का महत्व (हिन्दी): उर्दू दैनिक राष्ट्रीय सहारा में किस्तों में छपे लेख का संकलन

नेत्रत्वपूर्ण राष्ट्रीय सामाजिक प्रयास

1 वक्फों के संरक्षण और अनाधिकृत कब्जों से छुड़ाने के लिए अन्जुमन ने पासदाराने हुसैनी की स्थापना की जिस के फलस्वरूप इमाम बाड़ा सिब्तौनाबाद का वक्फ मुक्त कराया जो 55 वर्षों से नाजायज कब्जे में था और जिसमें अग्रेजों ने क्लब बना लिया था । यह इमाम बाड़ा बड़े इमाम बाड़े के बाद सबसे बड़ा इमाम बाड़ा है इसकी मरम्मत जारी है

2 वक्फ सज्जादिया की 20 बीघा जमीन जो भूमाफिया के कब्जे में थी । उसे आज़ाद कराया और उस ज़मीन पर मस्जिद कालेज के अलावा तीन सौ ग़रीबों को मकानों के लिए ज़मीन दी गई और निर्धनों को क्वाटर्स दिये गये ।

3 इमाम बाड़ा जैनुल आबिदीन का पूनः निर्माण

4 इमाम बाड़ा सज्जादिया का नव निर्माण

5 हुसैनाबाद ट्रस्ट की पुरानी इमारत की मरम्मत और सजावट भी आप के अनथक प्रयासों का फल है ।

6 इसके अलावा आपके नेत्रत्व में दिल्ली और लखनऊ में मजारों पर हमले के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया जिसमें दिल्ली में पहली बार परम पूज्य शंकराचार्य सरूपानन्द सरस्वती महाराज ज्योति मेठ हरिद्वार जैसे महान हिन्दु धर्मगुरु ने भाग लिया इसके अलावा डेन्मार्क में रसूल के कार्टूनो के विरुद्ध लखनऊ में आप के नेत्रत्व में विशाल प्रदर्शन किया गया जिसमें रिकार्ड 10 लाख के जन समुह ने भाग लिया जो एतिहासिक मजमा था ।

7 13 रजब और जुमअतुल विदाअ की छुट्टी पूर्व मुख्य मन्त्री श्री मुलायम सिंह यादव से 2007 में मंजूर करायी जिसकी माँग समुदाय 60 वर्षों से कर रहा था और आप की कोशिशों से पूरी हुई

8 दिल्ली में दरगाह शाहे मर्दा के बहुमुल्य ज़मीन पर से नाजायज कब्जे आप की कोशिशों से हटे और आगे काफ़ी ज़मीन पर से नाजायज कब्जे ख़त्म कराने के लिए प्रयास जारी है ।